शर्म की बात है कि वह इस सीरीज में कोहली को गेंदबाजी नहीं कर पाए कोहली के न खेलने से सबसे ज्यादा खुश इंग्लैंड टीम के फैंस होंगे।
- जेम्स एंडरसन

इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज ने कोहली के नहीं खेलने पर दुख प्रकट किया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्य रहाणे

श्रेयस अय्यर को लेकर जब तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2024 सीजन के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले से पहले मुंबई टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे से प्रेस वार्ता में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं और जब भी मुंबई की टीम से खेले हैं तो उनका योगदान शानदार देखने को मिला है। सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम में उनकी वापसी हमारे लिए आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली मानी जा सकती है। मुझे नहीं लगता कि उसे किसी तरह की सलाह या प्रोत्साहन की जरूरत है। उसने घरेलू क्रिकेट में हमेशा मुंबई के लिए बल्ले से योगदान दिया है।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टैस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

मुंबई के गेंदबाजों ने दिखाया पहले दिन दम, मध्यप्रदेश ने भी समेटी विदर्भ की पारी

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में सेमीफाइनल मैचों का आगाज

पहले दिन के खेल में मुंबई और मध्य प्रदेश की टीम ने अपने-अपने मुकाबलों में शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया

मुंबई ने तमिलनाडु टीम की पहली पारी को सिर्फ 146 के स्कोर पर समेट दिया

नई दिल्ली, 2 मार्च। रणजी ट्रॉफी 2024 में आज से सेमीफाइनल मैचों का आगाज हो गया है, जिसमें एक मुकाबला मुंबई और तमिलनाडु के बीच जबकि दूसरा मैच मध्य प्रदेश और विदर्भ की टीम के बीच खेला जा रहा है। इन दोनों ही मैचों के पहले दिन गेंदबाजों का कमाल देखने को मिला, जिसमें मुंबई की टीम ने तमिलनाडु की पहली पारी को जहां 146 के स्कोर पर समेट दिया था इसके बाद दिन का खेल खत्म होने पर उन्होंने अपने 2 विकेट 45 के स्कोर तक गंवा दिए थे। वहीं मध्य प्रदेश ने विदर्भ के खिलाफ अपने मुकाबले के पहले दिन उनकी पारी को 170 रनों के स्कोर पर समेट दिया जिसमें आवेश खान ने 4 विकेट लेते हुए अहम भूमिका अदा की। इसके बाद पहले दिन का खेल खत्म होने तक मध्य प्रदेश ने 1 विकेट के नुकसान पर 47 रन बना लिए थे।

तमिलनाडु की टीम ने मुंबई के खिलाफ अपने सेमीफाइनल मुकाबले में टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जो पूरी तरह से गलत साबित हुआ। तमिलनाडु ने शून्य के स्कोर पर अपना पहला विकेट साई सुदर्शन के रूप में गंवा दिया, इसके बाद 17 के स्कोर तक टीम के 4 विकेट गिर गए थे। यहां से तमिलनाडु की पारी में लगातार अंतराल में विकेट गिरने का सिलसिला देखने को मिला विजय शंकर और वाशिंगटन सुंदर ने जरूर इसे संभालने का प्रयास किया लेकिन विजय जहां 44 तो वहीं सुंदर 43 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

तमिलनाडु की पहली पारी इस मुकाबले में 146 रनों के स्कोर पर जाकर सिमटी। वहीं मुंबई की तरफ से गेंदबाजी में तुषार देशपांडे ने जहां 3 विकेट हासिल किए तो वहीं शार्दुल ठाकुर, मुशीर खान और तनुष कोटियन ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। इसके बाद दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई की टीम ने भी अपने 2 विकेट 45 के स्कोर तक गंवा दिए थे, जिसमें पृथ्वी शॉ 5 जबकि भूपेन लालवानी 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे।

मध्य प्रदेश और विदर्भ के बीच रणजी ट्रॉफी 2024 के सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर बात की जाए तो उसमें विदर्भ टीम की पहली पारी सिर्फ 170 रनों के स्कोर पर सिमट गई। विदर्भ की तरफ से करुण नायर ने जरूर 63 रनों की पारी खेली लेकिन इसके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज खास प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो सका। मध्य प्रदेश की तरफ से गेंदबाजी में आवेश खान का कमाल देखने को मिला जिन्होंने 15 ओवरों में 49 रन देने के साथ 2 विकेट हासिल किए, इसके अलावा कुलवंत खजूरलिया और वेंकटेश अय्यर ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए। वहीं अनुभव अग्रवाल और कुमार कार्तिकेय भी 1-1 विकेट लेने में कामयाब रहे। दिन का खेल खत्म होने पर मध्य प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 47 रन बना लिए थे, जिसमें उन्होंने यश दुबे के रूर में एक मात्र विकेट गंवाया था।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से पहले श्रीलंका टीम में बड़ा बदलाव

श्रीलंका की टीम को बांग्लादेश के दौरे पर कल से 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है

श्रीलंका, 2 मार्च। साल 2024 में जून के महीने में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, जिसको शुरू होने में अब लगभग तीन महीने का ही समय बचा है, ऐसे में सभी 20 टीमों के पास तैयारी करने के लिए अधिक समय नहीं बचा है।

वहीं श्रीलंका की टीम अब बांग्लादेश के दौरे पर है जहां उसे 4 मार्च से तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। उससे पहले श्रीलंकाई टीम में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जिसमें तीन साल के बाद टी20 टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की अचानक वापसी देखने को मिली है। डिकवेला को टीम में कुसल परेरा की जगह पर शामिल किया गया है, जो बीमार होने की वजह से बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। निरोशन डिकवेला की श्रीलंकाई टी20 टीम में वापसी से ये साफ संकेत मिलता है कि वह भी वर्ल्ड कप खेलने वाले दावेदार खिलाड़ियों की रेस में बने हुए हैं। डिकवेला ने अपना आखिरी टी20 मुकाबला साल 2021 में खेला था।

वहीं श्रीलंकाई टीम पहले ही बांग्लादेश पहुंच चुकी है, जिसके बाद डिकवेला 2 मार्च को टीम से जुड़ जाएंगे। डिकवेला ने लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट में श्रीलंकाई टीम की तरफ से अपना आखिरी मुकाबला साल 2022 में खेला था। वहीं टी20 इंटरनेशनल में निरोशन डिकवेला का रिकॉर्ड देखा जाए तो उन्होंने अब तक 28 टी20 मैचों में खेलते हुए 18.46 के औसत से 480 रन बनाए हैं, इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ 1 अर्धशतकीय पारी देखने को मिली है।

बता दें कि बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में श्रीलंका टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी चरिथ असलंका संभालते हुए नजर आएंगे। इस सीरीज के सभी मुकाबले सिलहट के मैदान पर खेले जाएंगे। वहीं इसके बाद दोनों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी जिसका पहला मुकाबला 13 मार्च को होगा जबकि अंत में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज भी होगी जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण का हिस्सा भी है।

यहां पर देखिए श्रीलंका की बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम - वनिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलंका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, निरोशन डिकवेला, एंजेलो मैथ्यूज, धनंजय डी सिल्वा, सदीरा समरविक्रमा, कामिंडु मेंडिस, दासुन शनाका, महीश तीक्षाना, अकिला धनंजय, मथीशा पथिराना, बिनुरा फर्नांडो, जेफरी वांडरसे, दिलशान मदुशंका, नुवान तुषारा।

गंभीर का सियासी पिच से संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, 2 मार्च। भारतीय टीम के पूर्व सदस्य और पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने सक्रिय राजनीति से सन्यास लेने का फैसला किया है। गंभीर ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जय प्रकाश नड्डा को संबोधित पोस्ट में लिखा मैंने माननीय पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जी से अनुरोध किया है कि मुझे मेरे राजनीतिक कर्तव्यों से मुक्त करें ताकि मैं अपनी आगामी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह को हृदय से धन्यवाद देता हूं जिन्होने मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर दिया। जय हिन्द।

गौरतलब है कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों की पहली सूची आने से पहले गंभीर ने राजनीतिक करियर को अलविदा कहा है। उन्होने राजनीति की पिच पर अपनी पारी की शुरुआत 2019 में लोकसभा चुनाव से कुछ पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर की थी। पार्टी ने उन्हे पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट का टिकट दिया था। इस फैसले को सही साबित करते हुये गंभीर ने आम आदमी पार्टी प्रत्याशी आतिशी मार्लेना को पराजित कर संसद की दहलीज लांघी थी। सलामी बल्लेबाज के रुप में भारतीय क्रिकेट में सफल गंभीर क्रिकेट के मैदान की तरह संसद में भी अपने क्षेत्र की समस्यायों को मुखरता से उठाते रहे हैं।

रोमांचक मोड़ पर पहला टेस्ट

न्यूजीलैंड को जीत के लिए 258 रन तो ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट चाहिए

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड), 2 मार्च। कामचलाऊ ऑफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स ने 45 रन देकर 5 विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 164 रन पर आउट करके पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी उम्मीद जगा दी। पहली पारी में 204 रन की बढ़त हासिल करने वाले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में लचर प्रदर्शन के बावजूद न्यूजीलैंड के सामने 369 रन का लक्ष्य रखा। न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 111 रन बनाए हैं और इस तरह से वह लक्ष्य से 258 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी दो विकेट पर 13 रन से आगे बढ़ाई, लेकिन चार घंटे से भी कम समय में उसने अपने बाकी बचे विकेट गंवा दिए। फिलिप्स ने अपने करियर में पहली बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा किया।

स्पिनर ग्लेन फिलिप्स ने उस्मान ख्वाजा (28), पहली पारी में शतक बनाने वाले कैमरून ग्रीन (34), ट्रेविस हेड (29), मिचेल मार्श (00) और एलेक्स कैरी (03) के विकेट हासिल किए। तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने 36 रन देकर 3 विकेट लिए। ग्लेन फिलिप्स के इस प्रदर्शन से न्यूजीलैंड मैच में वापसी करने में सफल रहा। उसका दारोमदार अब रचिन रविंद्र (नाबाद 56) और डेरिल मिचेल (नाबाद 12) पर टिका है। रविंद्र ने दिन का खेल समाप्त होने से कुछ देर पहले 77 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि अंतिम सत्र में केन विलियमसन (09) का महत्वपूर्ण विकेट लेकर न्यूजीलैंड को करारा झटका दिया। पहली पारी में खाता खोले बिना रन आउट होने वाले विलियमसन को नाथन लियोन ने पहली स्लिप में स्टीव स्मिथ के हाथों कैच कराया जो मैच के परिणाम में अहम भूमिका निभा सकता है। स्मिथ ने इसके बाद हेड की गेंद पर विल यंग (15) का कैच भी लिया। टॉम लैथम (08) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे जिन्हें लियोन ने विकेट के पीछे कैच कराया। मैच के चौथे दिन बारिश होने की भविष्यवाणी की गई है और ऐसे में मैच ड्रॉ भी समाप्त हो सकता है।

आईएसएल : मुंबई सिटी एफसी ने पंजाब एफसी को 3-2 से हराया

नई दिल्ली, 2 मार्च। मुंबई सिटी एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को पंजाब एफसी को 3-2 से हराकर लीग लीडर ओडिशा एफसी से अंक तालिका में बराबरी कर ली। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में दोनों टीमों के 35-35 अंक होने के बावजूद, ओडिशा एफसी (15) वर्तमान में थोड़े बेहतर गोल अंतर के कारण स्टैंडिंग में आइलैंडर्स (14) के खिलाफ बढ़त बनाए हुए है। मुंबई सिटी एफसी और पंजाब एफसी के बीच रिवर्स मैच 2-1 से रोमांचक रहा, जहां पंजाब एफसी ने एक गोल की बढ़त गंवा दी और अपने तीन अंक गंवा दिए। आज शाम उसी की पुनरावृत्ति थी, जिसमें मदीह तलाल और विल्मर जॉर्डन गिल की जोड़ी ने दो मिनट के भीतर एक-एक बार स्ट्राइक करके 2-1 की मामूली बढ़त के साथ मैच के आधे पड़ाव तक पहुंचने में मदद की। इस मैच से पहले अपने पिछले चार मैचों में तीन जीत के साथ पंजाब एफसी इसे चुपचाप सहने के मूड में नहीं थी। उन्होंने खुलकर अपनी किस्मत को परखना शुरू कर दिया, लेकिन इससे उन्हें पीछे के काउंटर पर भी बेनकाब होना पड़ा। पंजाब एफसी और मुंबई सिटी एफसी अपना अगला मुकाबला क्रमशः सात मार्च और आठ मार्च को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और जमशेदपुर एफसी के खिलाफ खेलेंगे।

डब्ल्यूपीएल में उमड़े सैलाब से खिलाड़ी गदगद

बेंगलुरू, 2 मार्च। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिये चिन्नास्वामी स्टेडियम पर उमड़ रहा जनसैलाब भारत में महिला क्रिकेट के प्रति बढ़ते रोमांच की तस्वीर बयां कर रहा है। आरसीबी के घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर अब तक खेले गए अधिकांश लीग मैचों में आरसीबी महिला टीम का समर्थन करने के लिए 30 हजार से अधिक क्रिकेट प्रेमी एकत्र हो चुके हैं। आरसीबी की ऑलराउंडर और महान कीवी क्रिकेटर सोफी डिवाइन ने कहा मैं उन्हें स्मृति का नाम चिल्लाते हुए सुनने की आदी हूं। यह सुनना काफी अच्छा है। वे कितने अच्छे और भावुक हैं। यह निश्चित रूप से सबसे जोरदार आवाज है जिसमें मैं शामिल रही हूं और यह समर्थन वास्तव में पूरी टीम के लिए प्रेरणादायक रहा है। यूजीओवी की हालिया इंडियन क्रिकेट फैंडम रिपोर्ट 2024 के अनुसार, आरसीबी को सभी आयु वर्गो से लगातार समर्थन प्राप्त है। जबरदस्त समर्थन ने न केवल डब्ल्यूपीएल अनुभव में एक नया आयाम जोड़ा है, जिससे महिला क्रिकेटरों के लिए उत्साह और प्रोत्साहन का माहौल बना है। सोफी ने कहा, मैं अपने करियर की शुरुआत के बारे में सोचती हूं जब हम दस लोगों के सामने खेल रहे थे, क्या आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है1मुझे लगता है, यहां 25 हजार से भी अधिक दर्शकों का होना दिखाता है कि महिला क्रिकेट आज कहां चला गया है और इसका हिस्सा बनने पर मुझे वास्तव में गर्व है। हर बार अपनी तेज गेंदबाजी से दर्शकों का उत्साह बढ़ाने वाली रेनुका सिंह ने कहा, यह एक अद्भुत एहसास है और हम सभी को एक अलग स्तर की गति देता है। मुझे बहुत अच्छा लगता है जब वे न केवल हमारा नाम रटते हैं बल्कि हर खेल में इतनी बड़ी संख्या में आकर आरसीबी के प्रति इतनी आत्मीयता दिखाते हैं, यह खेल के दौरान हमें उत्साहित करता है।

5 मार्च को आने वाला है बड़ा फैसला

ऋषभ आईपीएल खेलेंगे या नहीं

नई दिल्ली, 2 मार्च। ऋषभ पंत एक साल से ज्यादा समय से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी वापसी का इंतजार सभी को है। पंत वापसी के लिए कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। पूरी उम्मीद की जा रही है कि पंत इस बार आईपीएल के अगले सीजन में खेलेंगे। पंत आईपीएल खेल पाएंगे या नहीं इसे लेकर स्थिति 5 मार्च को साफ हो जाएगी। पंत आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हैं।दिल्ली फ्रेंचाइजी के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट सौरव गांगुली ने पंत को लेकर बड़ा उपडेट दिया है। गांगुली ने कहा है कि पांच मार्च को नेशनल क्रिकेट एकेडमी में पंत का फिटनेस टेस्ट होगा जिसमें वह फिट घोषित कर दिए जाएंगे।

भारत के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत का 30 दिसंबर 2022 को कार एक्सीडेंट हो गया था जिसमें वह बुरी तरह से जख्मी हो गए थे। उनको लिगामेंट इंजुरी हुई थी जिसकी उन्होंने सर्जरी कराई थी। पंत अब वापसी की राह पर हैं और पांच मार्च को उनको लेकर एक खबर आ सकती है कि वह पूरी तरह से फिट हैं या नहीं हैं। गांगुली के बयान पर गौर किया जाए तो पंत पूरी तरह से फिट हैं और खेलने को तैयार हैं। गांगुली ने अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए ये बात कही।

इंटरव्यू में गांगुली से जब पूछा गया कि 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में दिल्ली की कप्तानी पंत ही करेंगे या कोई और करेगा? इस पर गांगुली ने कहा कि पंत ने फिट होने के लिए जो हो सकता था वो किया है और यही कारण है कि एनसीए उन्हें क्लियर कर देगा।

श्वेता रानी, अलखपुरा की नयी उड़ान

काठमांडू, 2 मार्च। पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा के भिवानी जिले के एक छोटे से गांव अलखपुरा ने अपना नाम महिला फुटबॉल का पर्याय बना लिया है। भारतीय सीनियर महिला टीम की नियमित खिलाड़ी संजू यादव और रितु रानी घरेलू नाम हैं, जो उस राज्य में सैकड़ों युवा लड़कियों को प्रेरणा दे रही हैं और उनके सपने देख रही हैं, जहां फुटबॉल एक लोकप्रिय खेल से बहुत दूर है। उनमें से एक हैं वर्तमान में सैफ अंडर16 महिला चैम्पियनशिप में भाग ले रही अंडर16 महिला टीम की कप्तान श्वेता रानी, जिनके सपनों को उड़ान मिलनी शुरू हो गई है।

संजू यादव को आदर्श मानने वाली 15 साल की श्वेता ने कहा मेरी बड़ी प्रेरणा संजू दीदी हैं। मुझे मनीषा कल्याण भी पसंद हैं, क्योंकि हम एक ही पोजीशन में खेलते हैं, और अंजू तमांग भी। श्वेता उन सपने देखने वालों में से नहीं होती अगर उनके पिता ने उन्हे खेलने के लिए प्रेरित न किया होता। उन्होने कहा फुटबॉल में मेरी रुचि अपने आप विकसित नहीं हुई। वह मेरे पिता थे जो मुझे शाम को मैदान पर गांव के बच्चों के साथ खेलने के लिए प्रेरित करते थे। मैं 12 साल की थी। मुझे शुरु में यह खेल पसंद नहीं था लेकिन वह मुझसे रोजाना खेलने के लिये मनाते रहे। धीरे-धीरे, मुझे इसमें महारत हासिल हो गई और इस तरह मैंने खेलना शुरू कर दिया। संजू की तरह श्वेता भी बायीं ओर से खेलती है। उन्होने कहा जब से मैंने शुरुआत की है तब से बायीं ओर खेल रही हूं। श्वेता को अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था और उन्होंने 2022 में सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अलखपुरा के लिए अंडर17 सुब्रतो कप में भी खेला था। उन्होंने जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप टियर 1 में हरियाणा के लिए तीन गोल किए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, उन्हें भारतीय अंडर 17 टीम में चुना गया, जिसने जॉर्डन का दौरा किया और बाद में वह किर्गिस्तान में एएफसी अंडर17 महिला एशियाई कप के लिये सबसे कम उम्र की खिलाडी के तौर पर चुनी गयी। उन्होंने शुक्रवार को भूटान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया और भारत ने एकतरफा मुकाबले में 7-0 से जीत हासिल की। श्वेता ने कहा, "मुझे लगता है कि कल हमने ठीक किया, लेकिन मुझे पता है कि हम आक्रामक बदलावों में काफी बेहतर हो सकते हैं। हमने प्रशिक्षण में बेहतर प्रदर्शन किया है और मुझे यकीन है कि हम हर मैच के साथ सुधार करेंगे।" उन्होंने कहा, "हम यह भी जानते हैं कि यह टूर्नामेंट हमारे युवा करियर की शुरुआत है। हम भारत को गौरवान्वित करना चाहते हैं और अभी भी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है। लेकिन अभी, हमारा सारा ध्यान हर खेल को महत्वपूर्ण बनाने और ट्रॉफी जीतने पर है।"

टेस्ट क्रिकेट में आयरलैंड ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली, 2 मार्च। अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच खेला गया। इस मैच को आयरलैंड की टीम ने अपने नाम कर लिया। आयरलैंड की टीम के लिए यह जीत बेहद खास रही। दरअसल यह टेस्ट क्रिकेट में उनकी पहली जीत थी। इसी के साथ उन्होंने कई बड़ी टीमों के रिकॉर्ड को भी तोड़ डाला। टीम इंडिया ने भी इस रिकॉर्ड में आयरलैंड से काफी पीछे रह गई। आयरलैंड ने अफगानिस्तान को इस मैच में 6 विकेट हराया है। आयरलैंड क्रिकेट टीम के लिए 1 मार्च का दिन बेहद खास रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ 8 मुकाबले खेले हैं और आठ मैचों के बाद उनकी ये पहली जीत है। टीम को इस पल का इंतजार काफी लंबे समय से था। उन्होंने अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए आठ मैच लिए। सबसे कम मैच खेलकर पहली टेस्ट जीत हासिल करने के मामले में अब आयरलैंड की टीम छठे स्थान परआ गई है। भारतीय टीम को पहला टेस्ट मैच जीतने में 25 मैचों का समय लगा था। आयरलैंड और अफगानिस्तान के बीच टेस्ट मैच तीन दिनों में ही खत्म हो गया। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसाल लिया। अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 155 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इसके बाद आयरलैंड की टीम ने अपनी पहली पारी में 263 रन बनाए और वे भी ऑलआउट हो गए। आयरलैंड के पास अपनी पहली पारी के बाद 108 रनों की लीड थी। अफगानिस्तान इसके बाद अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 218 रन पर ऑलआउट हो गई और आयरलैंड को मैच जीतने के लिए 111 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने 4 विकेट खोकर बड़ी आसानी के साथ चेज कर लिया।

बांग्लादेश टीम में वापसी कर सकते हैं तमीम इकबाल

ढ़ाका, 2 मार्च। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने राष्ट्रीय टीम में वापसी के संकेत दिये हैं। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) जीतने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा अगर उन्हें बांग्लादेश के लिए फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है तो उनकी वापसी की परिस्थितियां सही होनी चाहिए। तमीम ने कहा, मैं एक बात स्पष्ट रूप से कहना चाहूंगा। मेरी वापसी के लिए बहुत सी चीजें सही होनी चाहिए अन्यथा मेरे लिए वापस आकर खेलने का कोई मतलब नहीं है।

पिछले साल जुलाई में तमीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 की शुरुआत से कुछ महीने पहले अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने अपना फैसला पलट दिया था। विश्व कप से पहले, तमीम ने चयन के लिए अनुपलब्ध होने के कारण खुद को बाहर कर लिया और टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने आखिरी बार बांग्लादेश के लिए सितंबर 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे प्रारूप में प्रदर्शन किया था। तमीम ने कहा मैं अपने करियर के उस पड़ाव पर हूं जहां मुझे शायद अगले दो साल तक खेलना होगा। इसलिए मुझे उन्हें ऐसी बातें बतानी होंगी और चूंकि मेरी उनसे अंतिम बातचीत नहीं हुई है, इसलिए मेरे लिए टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

उन्होने कहा मैंने अभी तक उनसे (नए मुख्य चयनकर्ता) बात नहीं की है। मैं जलाल भाई (जलाल यूनुस) के साथ बातचीत कर रहा था। मैं बात करने के लिए उपलब्ध था, लेकिन दुर्भाग्यवश, हमें मौका नहीं मिला। मैं कल सुबह विदेश यात्रा पर जाऊंगा। मेरे लौटने के बाद, हम बैठेंगे।

तमीम फ्रेंचाइजी लीग बीपीएल में फॉर्च्यून बरिशाल की कप्तानी करते हैं, जहां उन्होंने टीम को खिताब दिलाया और सबसे ज्यादा 492 रनों का योगदान दिया। 2022 में टी20 से सन्यासस की घोषणा करने वाले मुशिफकुर रहीम भी उसी टीम के लिए खेलते हैं। तमीम का मानना है कि अगर मुशिफकुर संन्यास से वापस आते हैं, तो जून में होने वाले टी20 विश्व कप से बांग्लादेश की टीम को फायदा होगा।

उन्होने कहा ऐसे कई महान क्रिकेटरों के उदाहरण हैं, जिन्होंने संन्यास से वापस आने के बाद क्रिकेट खेला और जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, अगर वह (मुशिफकुर) वापसी करने का फैसला करते हैं, तो इससे बांग्लादेश को फायदा होगा और उससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

सकारात्मकता है दवाब से निपटने की कुंजी : श्रीजेश

चेन्नई, 2 मार्च। दुनिया के शीर्ष हॉकी गोलकीपर में शुमार भारतीय टीम के पीआर श्रीजेश और वॉलीबॉल के दिग्गज खिलाड़ी डेविड ली का मानना है कि खेल के मैदान पर सकारात्मक सोच किसी भी खिलाड़ी को दवाब से निपटने में मदद कर सकती है।

रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग के तीसरे संस्करण के मौके पर श्रीजेश ने अमेरिकी खिलाड़ी और बेंगलुरु टॉरपीडो के मुख्य कोच डेविड ली के साथ लंबी बातचीत की। तीन बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके और टोक्यो ओलंपिक 2020 में देश को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले श्रीजेश ने अपने संघर्षों के बारे में खुल कर कहा गोलकीपिंग एक मानसिक खेल है। एक खिलाड़ी होने के नाते, हम समझते हैं कि हमें मैच में कैसे शामिल होना है लेकिन एक गोलकीपर होने के नाते, मैं बस पीछे खड़ा हूं और मेरा खेल मेरे दिमाग में है। उन्होंने कहा, एक युवा खिलाड़ी के रूप में, मेरी नकारात्मक भावनाएं मेरी सकारात्मक भावनाओं पर हावी हो जाती थीं और इसके कारण मुझे गोल खाने पड़ते थे। अब, मेरे अनुभव के साथ, मेरे लिए चीजें बदल गई हैं और मैं सकारात्मक विचारों को हावी होने देता हूं।

ओलंपिक में तीन बार अमेरिका का प्रतिनिधित्व कर अपनी टीम को स्वर्ण पदक और कांस्य पदक दिलाने वाले ली ने कहा हम सकारात्मक माहौल में पले-बढ़े हैं। हमारे पास ऐसे कोच नहीं थे जो हमें बताएं कि हम खेल में उतने अच्छे नहीं हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें आगे बढ़ना होगा और अनुकूलन करने का प्रयास करना होगा। आप नकारात्मक माहौल से अल्पकालिक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे तरीके लंबे समय तक टिकाऊ हैं। दबाव से निपटने में एक विशेषज्ञ के रूप में ली ने सलाह दी कि युवाओं को ओलंपिक से पहले सोशल मीडिया पर नकारात्मक टिप्पणियों से दूर रहना चाहिए और टूर्नामेंट को अपने खेल करियर में सिर्फ एक और दिन के रूप में लेने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होने कहा आप दिन-प्रतिदिन जो करते हैं उस पर भरोसा करें और इतना बड़ा भार न डालें।द्रित किया जाए, उन्होंने सलाह दी। श्रीजेश ने कहा गोलकीपर की भूमिका के साथ आने वाली आलोचना से निपटना दुष्कर काम होता है। क्योंकि अगर मैंने 10 बचाव किए और एक गोल खाया, तो हर कोई उस एक गलती को याद रखेगा। लेकिन मैंने इसे स्वीकार कर लिया है और मैं इसके साथ आगे बढ़ गया हूं। इस पेशे ने मुझे अपने निजी जीवन में दबाव और आलोचना से निपटने में मदद की है।

रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग की तारीफ करते हुये श्रीजेश ने कहा "मैं हमेशा यह देखने के लिए बहुत उत्सुक रहता था कि शीर्ष विदेशी खिलाड़ी कैसे खेल रहे हैं और वे कैसे प्रशिक्षण और व्यवहार करते हैं। पहले, मैं कभी भी अपने आहार, तैयारियों या प्रोटीन के बारे में परवाह नहीं करता था। मैं एक अच्छा श्रोता था, लेकिन कभी भी इस बारे में पहल नहीं करता था लेकिन लीग ने मुझे विदेशी खिलाड़ी से सीखने में मदद की और मुझे अपने खेल के इन सभी पहलुओं में सुधार करने में मदद की।

डेविड ली ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वॉलीबॉल लीग भविष्य में भारत को इस खेल में ओलंपिक में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में विकसित करने में मदद करेगी। उन्होने कहा "मैं जानबूझकर प्रशिक्षण और सुधार के लिए सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास करने के बारे में बहुत बात करता हूं, न कि केवल पसीना बहाने और प्रशिक्षण में गेंद को इधर-उधर फेंकने के बारे में। मैं खिलाड़ियों से यह भी कहता हूं कि वे अनुकरण करने के लिए एक रोल मॉडल खोजें और उनके वीडियो देखें।

सनराइजर्स हैदराबाद को मिल सकता है नया कप्तान

नई दिल्ली, 2 मार्च। आईपीएल 2024 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के खेमे में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट है। खबरों की माने तो सनराइजर्स हैदराबाद को नया कप्तान मिल सकता है। इतना ही नहीं टीम के बॉलिंग कोच डेल स्टेन भी ब्रेक लेना चाहते हैं, ऐसे में उन्होंने अपनी कोचिंग सेवाएं खत्म करने का आग्रह किया है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज स्टेन के पास 93 टेस्ट, 125 वनडे और 47 टी-20 इंटरनेशनल का लंबा अनुभव है। आईपीएल में वह सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ही खेलते थे, संन्यास लेने के बाद स्टेन कोचिंग स्टाफ का ही हिस्सा हो गए। इस सीजन ब्रेक लेने के बाद उनके अगले साल वापसी की उम्मीद है। ऐसे में फ्रैंचाइजी अब नए बॉलिंग कोच की तलाश कर रही है। कोच डेनियल विटोरी इस पद के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार खोजने के लिए जिम्मेदार हैं। सूत्रों की माने तो ऑस्ट्रेलिया को अपनी कप्तानी में वनडे और टेस्ट फॉर्मेट का वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले पैट कमिंस सनराइजर्स हैदराबाद के नए कप्तान हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान को पिछली नीलामी में 20.5 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत में खरीदा गया था। पैट कमिंस के ऑस्ट्रेलियाई नेशनल टीम में मुख्य कोच डेनियल विटोरी के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिससे कप्तान के रूप में नियुक्त होने की संभावना बढ़ जाती है। फिलहाल साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम टीम के कोच हैं, पिछले दो सीजन में उनकी लीडरशिप में टीम कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाई है।